**Q.P. Code: 00005667**

**समय:३ घंटे** **कुल अंक :१००**

**(कृपया जांचे कि आपको सही प्रश्न पत्र मिला है कि नहीं )**

**सूचना: (१) सभी प्रश्न अनिवार्य है।**

**(२) उत्तर पत्रिका में प्रश्न क्रमांक व उप प्रश्नक्रमांक अवश्य लिखे।**

**प्रश्न १. निम्नलिखित प्रश्नों का संदर्भ सहित व्याख्या करो।** **(२७)**

**(क)** "जंगलतंत्र का मतलब एक ऐसा राज्य होता है, जिसपर जंगल के सभी लोगों समान अधिकार हो। इस राज्य में हम सभी बराबर है।"

**अथवा**

"अब तुम लोग यहाँ रहने के योग्य नहीं। मुझे यह भी नहीं मालूम था कि तुम लोगों के हृदय में छल-कपट, पाप और हिंसा के भाव समा गए हैं।"

**(ख)** "किस्सा आगे बढ़ता है। फिर जो कुछ घटता है, वह लोहे की नहीं बल्कि समाज को पारस से छुआने का किस्सा बन जाता है।"

**अथवा**

आखिरी बार डुगडुगी पिट रही है। काम तो पूरा हो गया है पर आज फिर सभी लोग इकट्ठे होंगे, तालाब की पाल पर। अनपूछी ग्यारस को जो संकल्प लिया था, वह आज पुरा हुआ है।

**(ग)** "नारी की समस्त शारीरिकता, मानसिकता और भावुकता का केन्द्र क्या उसकी कोख ही है ?"

**अथवा**

"मेरा प्रतिशोध यही था कि तुम्हें इतना ऊँचा उठाऊँ, इतना ऊँचा कि वहाँ से गिरकर तुम इतने आहत हो कि सहन कर सको। मैं अपने उद्देश्य में सफल रहा।"

**प्रश्न २. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार में लिखो।** **(३६)**

**(च)** 'जंगलतंत्रम' उपन्यास के आधार पर सिंह, मोर, नाग, और चूहा का चरित्र चित्रण कीजिए।

**अथवा**

'जंगलतंत्रम' उपन्यास की प्रतीकात्मकता पर प्रकाश डालिए।

**(छ)** 'तालाब बांधता धरम सुभाव' निबंध में लेखक द्वारा प्रतिपादित तालाब के महत्व को समझाइए।

**अथवा**

'आज भी खरे हैं तालाब' निबन्ध के माध्यम से स्पष्ट कीजिए कि तालाब आज भी खरे हैं।

**(ज)** 'कथा एक कंस की' नाटक की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए।

**अथवा**

'कथा एक कंस की' नाटक में प्रलंब के चरित्र पर प्रकाश डालिए।



XJAYANTOY3C0AFDXJAYANTOY3C0AFDXJAYANTOY3C0AFDXJAYANTOY3C0AFD

**Q.P. Code: 00005667**

**प्रश्न 3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर विस्तार में लिखो।** **(१२)**

**(ट)** 'जंगलतंत्रम' उपन्यास के आधार पर सिंह रूपी राजनेताओं की स्वार्थपरता पर प्रकाश डालिए।

**अथवा**

**(ठ)** 'आज भी खरे हैं तालाब' निबंध के माध्यम से अंग्रेजों के आने के बाद भारत में तालाबों की स्थिति पर प्रकाश डालिए।

**अथवा**

**(ड)** 'कथा एक कंस की' नाटक में कंस के चरित्र पर प्रकाश डालिए।

**प्रश्न ४. निम्नलिखित टिप्पणियों के उत्तर दीजिए।** **(१५)**

**(त)** 'जंगलतंत्रम' उपन्यास में निहित समस्या।

**अथवा**

'जंगलतंत्रम' उपन्यास का पात्र मोर।

**(थ)** 'आज भी खरे हैं तालाब' निबन्ध का उद्देश्य।

**अथवा**

'नींव से शिखर तक' निबंध का विवरण।

**(द)** 'कथा एक कंस की' नाटक में प्रद्योत।

**अथवा**

'कथा एक कंस की' नाटक में देवकी पात्र।

**प्रश्न ५. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए।** **(१०)**

१. 'जंगल तंत्रम' उपन्यास की कथा कितने रातों में पूरी हुई है ?
२. सिंह किसकी सवारी है ?
३. जंगली भाषा किसका प्रतीक है ?
४. गिलहरी को पदक देने के लिए कहाँ बुलाया जाता है ?
५. तालाब की रक्षा कौन करता है ?
६. 'आज भी खरे हैं तालाब' के लेखक कौन है ?
७. वरुण देवता प्रसाद के रूप में क्या बांटते हैं ?
८. कंस के शासन में किस भगवान की पूजा होती थी ?
९. देवकी कौन थी ?
१०. प्रलंब कौन था ?

**********



XJAYANTOY3C0AFDXJAYANTOY3C0AFDXJAYANTOY3C0AFDXJAYANTOY3C0AFD